सत्यमेव जयते

सुश्री अनुसुईया उइके

माननीया राज्यपाल

छत्तीसगढ़

का

अभिभाषण

छत्तीसगढ़ विधानसभा
का विशेष सत्र

रायपुर 16 जनवरी, 2020

माननीय सदस्यगण,

छत्तीसगढ़ राज्य की पांचवीं विधानसभा के, नववर्ष 2020 में आयोजित होने वाले प्रथम सत्र के अवसर पर मैं आप सभी का यथायोग्य अभिवादन करती हूं। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अल्प–समय में अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली से जो गौरवशाली परंपराएं स्थापित की हैं, वह इस विधानसभा के इतिहास में सुनहरे पन्ने के रूप में दर्ज हुई हैं। आज इस विधानसभा में आने का मेरा पहला अवसर है जिसकी सुखद अनुभूतियां मुझे भावुक भी कर रही हैं और एक नई ऊर्जा से ऊर्जित भी कर रही हैं। मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर छत्तीसगढ़

विधानसभा की कीर्ति–पताका को और ऊंचा करने में सफल होंगे। आप सब प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में अपना योगदान पूरे मनोयोग से करें, इसके लिए मेरी शुभकामनाएं।

2. मेरे लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि नये वर्ष में छत्तीसगढ़ विधानसभा के कार्यकलापों की शुरूआत एक विशेष अवसर के रूप में हो रही है, जिससे हमें भारत के महान और पावन संविधान के प्रति अगाध निष्ठा, प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। इससे हमें संविधान के प्रति अपने कर्त्तव्य निबाहने का अवसर मिला है। भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों

के लिए आरक्षण की समय–सीमा बढ़ाये जाने के लिए जो निर्धारित प्रक्रिया है, उसे पूरा करने में आपकी भागीदारी दर्ज होना, निश्चय ही बड़े सौभाग्य का विषय है।

3. मुझे यह कहते हुए बहुत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि मेरी सरकार ने छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्गों को बेहतर जिन्दगी की रोशनी दी है। इन वर्गों के प्रति संवेदनशीलता और इन्हें संविधान प्रदत्त अधिकारों से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता ने मेरी सरकार के प्रति विश्वास के एक नये युग की शुरूआत की है।

4. मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा अपनी परंपरा के अनुरूप लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की चुनौती स्वीकार करेगी। आप सबकी सक्रियता और योगदान से ही लोकतंत्र का यह मंदिर जनता जनार्दन की आकांक्षाओं को पूरा करने में सफल होगा। पुनः नववर्ष की शुभकामनाएँ।

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़